15.08 hrs.

SUGARCANE PRICE (FIXATION) BILL*

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU (Chittoor): I beg to move for leave to introduce a Bill to fix the price of sugarcane.

MR. CHAIRMAN: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill to fix the price of sugarcane."

The motion was adopted.

SHRI P. RAJGOPAL NAIDU: I introduce the Bill.

15.8½ hrs.

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(*Omission of article* 310, *etc.*)

SHRI BHAGAT RAM (Phillaur): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

MR. CHAIRMAN: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

SHRI BHAGAT RAM: I introduce the Bill.

15.10 hrs.

UNEMPLOYMENT ALLOWANCE BILL

BY SHRI LAKKAPPA—*Contd.*

MR CHAIRMAN: We now take up further consideration of the following motion moved by Shri K. Lakkappa on the 10th March, 1978, namely:—

"That the Bill to provide for compulsory payment of allowance to all unemployed persons in the country be taken into consideration."

डा० रामजी सिंह (भागलपुर) : सभापति महोदय, श्री लकप्पा ने जो यह विधयक उपस्थित किया है, उस का मैं सिद्धान्त रूप में स्वागत करता हूं लेकिन जैसा मैं ने एक रचनात्मक संशोधन उपस्थित किया है, उस के अनुसार इस में थोड़ा जोड़ना चाहता हूं।

लकप्पा साहब के अनुसार बेरोजगारी केवल शिक्षित लोगो मे ही है। इस से बढ़ कर कोई बड़ा अन्याय नही हो सकता है। जितने शिक्षित बेरोजगार हैं उन से कई गुना ज्यादा अशिक्षित बेरोजगार है। इसलिए उन का ध्यान उस तरफ़ दिलाने के लिए मैं ने यह संशोधन दिया है।

श्री बसंत साठे (अकोला) : बिल से सब के लिए है एजूकेटेड और अनएजूकेटड।

डा० राम जी सिंह : हमारे माननीय साठ साहब ने मूल विधयक का अध्ययन नही किया है। अगर व धारा 2 को देख तो पाएंगे ;

"Every educated person including doctors, engineers...."

तो मैं यह कह रहा था कि बेरोजगारी की समस्या केवल शिक्षित लोगों की ही नही होती हैं बल्कि अशिक्षित लोगों की भी है और बेरोजगारी का सवाल केवल भारतवर्ष के लिए ही नही है बल्कि वह एक ग्लोबल फनोमिनन है और साम्यवादी देशों को छोड़ कर ऐसा कोई देश नही है जहां पर यह सवाल न हो, यहां तक कि विकसित देशों जैसे अमेरिका और इंगलैंड जैसें देशों मे बेरोजगारी की समस्या बढ़ती जा रही है। अगर समय रहता तो मैं आप के सामने आंकड़ देता कि किस तरह से अमेरिका और इंगलैंड जैसे विकसित और उन्नत देशों में प्रति वर्ष बेकारी का प्रश्न बढ़ता ही जा रहा है लेकिन भारतवर्ष की

*Published in Gazette of India Extraordinary, Part II, section 2, dated 23-3-78.